महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

29 वाँ स्थापना दिवस समारोह – 2026

कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने पत्रकार वार्ता में दी जानकारी

वर्धा, 4 जनवरी 2026: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अपना 29वां स्थापना दिवस 7 से 10 जनवरी तक विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मना रहा है। 29वें स्थापनोत्सव का प्रारंभ 08 जनवरी को ध्वजारोहण के साथ होगा। पूर्वाह्न 11:00 बजे स्थापना दिवस का मुख्य

कार्यक्रम होगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी (ऑनलाइन) होंगे तथा विशिष्ट अतिथि माननीय केंद्रीय पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' होंगे। इस अवसर पर कार्य परिषद् के सदस्य प्रो. सुरेन्द्र दुबे

एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री अनंत विजय सारस्वत अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा करेंगी।

'पुस्तक संस्कृति' को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय स्थित बोधिसत्व डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर समता भवन प्रांगण में 07 से 10 जनवरी तक राष्ट्रीय पुस्तक मेले का आयोजन किया जाएगा। पुस्तक मेले का उद्घाटन 7 जनवरी को सायं 5:00 बजे प्रख्यात लेखिका डॉ. क्षमा कौल द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर प्रख्यात लेखक डॉ. भूषण भावे की उपस्थिति रहेगी। स्थापना दिवस के अवसर पर ही 08, 09 एवं 10 जनवरी को उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ एवं विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 'भारतीय साहित्य में एकात्मता (हिंदी एवं भारतीय भाषा साहित्य महोत्सव)' विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस संगोष्ठी में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. हरमोहिंदर सिंह बेदी (ऑनलाइन), केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के उपाध्यक्ष प्रो. सुरेन्द्र दुबे, वरिष्ठ पत्रकार श्री अनंत विजय, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान की प्रधान संपादक डॉ. अमिता दुबे, जेएनयू से प्रो. पूनम कुमारी, हिंदी एवं तकनीकी विशेषज्ञ प्रो. बालेन्दु शर्मा दाधीच (ऑनलाइन), जेएनयू के स्कूल ऑफ संस्कृत एण्ड इन्डिक स्टडीज के प्रो. गिरीश नाथ झा (ऑनलाइन),

आदि विद्वान शिरकत करेंगे। यह जानकारी कुलपति प्रो.कुमुद शर्मा ने रविवार, 4 जनवरी को नागार्जुन अतिथि गृह में पत्रकार वार्ता में दी। पत्रकार वार्ता में कुलसचिव क़ादर नवाज़ ख़ान, मीडिया समिति की संयोजक डॉ. रेणु कुमारी, जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे, समिति के सदस्य सचिव डॉ. अमित विश्वास व सदस्य डॉ. संदीप वर्मा सहित प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने बताया कि स्थापना दिवस के अवसर पर 9 जनवरी को मेजर ध्यानचंद क्रीड़ा स्थल पर सायं 06:00 बजे से डिग्री कॉलेज ऑफ फिजिकल एज्युकेशन, श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल,अमरावती के कलाकारों द्वारा मलखंब का प्रदर्शन किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी इस दौरान किया जाएगा। 10 जनवरी को मेजर ध्यानचंद क्रीड़ा स्थल पर सायं 05:00 बजे से फूड फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में युवा शक्ति की बड़ी भूमिका है और हमारी जिम्मेदारी है कि उन्हें दीक्षित कर भावी भारत के लिए तैयार करें। विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए हम कार्यशालाएं आयोजित की गयी है। विश्वविद्यालय में पूर्वोत्तर राज्यों के साथ-साथ 15 राज्यों के विद्यार्थी अध्ययन कर रहे है।

विदित है कि विश्वविद्यालय की स्थापना संसद द्वारा 1996 ई. में पारित अधिनियम के अंतर्गत 1997 ई. में केंद्रीय विश्वविद्यालय एवं भारत के पहले अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय के रूप में महात्मा गांधी की कर्मस्थली वर्धा में की गई।

हिंदी भाषा और साहित्य की उन्नति के साथ ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों में अध्ययन, अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए एक समर्थ माध्यम के रूप में हिंदी का सम्यक विकास इसका प्रधान लक्ष्य है। देश-दुनिया की भाषाओं के साथ हिंदी के तुलनात्मक अध्ययन तथा उनसे अधुनातन अनुशासनों की अद्यतन ज्ञान-सामग्री का हिंदी में अनुवाद और विकास भी विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। आज के बहुभाषा-भाषी विश्व में एक समर्थ अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी की पहचान स्थापित करना विश्वविद्यालय का लक्ष्य है। विश्वविद्यालय में भाषा विद्यापीठ, साहित्य विद्यापीठ, संस्कृति विद्यापीठ, अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ, शिक्षा विद्यापीठ, प्रबंधन विद्यापीठ एवं विधि विद्यापीठ के अंतर्गत स्नातक, स्नातकोत्तर शोध और डिप्लोमा के पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। कोलकाता, प्रयागराज तथा रिद्धपुर में विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र चल रहे हैं जहाँ कई पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। चीनी, जापानी, फ्रेंच और स्पेनिश भाषाओं का पठन-पाठन विश्वविद्यालय में हो रहा है। हिंदी के साथ-साथ अंग्रेजी और भारतीय भाषाएं जैसे मराठी, संस्कृत का भी पठन-पाठन जारी है। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत सीयूईटी के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया जारी है। विश्वविद्यालय ने अपने अकादमिक गतिविधियों का विस्तार करते हुए अनेक शैक्षणिक संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन किये हैं और भविष्य में विश्वविद्यालयों और अन्य संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन करने का प्रस्ताव है

इस विश्वविद्यालय की शैक्षिक प्रक्रिया में संचार की नई तकनीकी, कल्पनाशीलता तथा अनुभवपरक सीखने के अवसरों के साथ-साथ सामाजिक जीवन से जुड़ने को भी महत्व दिया जाता है। यहाँ का प्राकृतिक परिवेश और अध्ययन के लिए उपलब्ध सुविधाओं के साथ विद्यार्थी अध्ययन करते हैं। भारत के विभिन्न राज्यों के विद्यार्थियों के साथ-साथ विदेश के विशेषत: चीन, जापान, थाईलैण्ड, मॉरिशस, श्रीलंका, रुस, बेल्जियम आदि देशों के विद्यार्थी अध्ययन के लिए आते हैं। मौलिक और मानक ग्रंथों का प्रकाशन, दुर्लभ पांडुलिपियों, चित्रों, दस्तावेज़ों का संग्रह, विश्वकोशों और संदर्भकोशों का निर्माण आदि विश्वविद्यालय की अनूठी योजनाएँ हैं। विश्वविद्यालय 'बहुवचन' और पुस्तक-वार्ता' नामक दो महत्वपूर्ण पत्रिकाएँ भी प्रकाशित करता है। विश्वविद्यालय में एक महत्वाकांक्षी ऑनलाइन पोर्टल है- हिंदी समय डॉट कॉम। जो हिंदी जगत में अत्यंत परिचित और प्रतिष्ठित है। 'हिंदी समय' पर अब तक लगभग बारह लाख से अधिक पृष्ठों की सामग्री प्रस्तुत हो चुकी है। कुलसचिव क़ादर नवाज़ ख़ान ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों सहित वर्धा के हिंदी प्रेमियों से अधिकाधिक संख्या में सहभागी होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठ

२९ वा स्थापना दिन समारंभ – २०२६

कुलगुरू प्रा. कुमुद शर्मा यांनी पत्रकार परिषदेत माहिती दिली

वर्धा, ४ जानेवारी २०२६ : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठ आपला २९ वा स्थापना दिन ७ ते १० जानेवारीदरम्यान विविध कार्यक्रमांच्या माध्यमातून साजरा करीत आहे. २९ व्या स्थापना दिनोत्सवाची सुरुवात ८ जानेवारी रोजी ध्वजारोहणाने होईल. सकाळी ११.०० वाजता स्थापना दिनाचा मुख्य कार्यक्रम आयोजित केला जाईल. या कार्यक्रमाचे मुख्य अतिथी माननीय केंद्रीय रस्ते वाहतूक व महामार्ग मंत्री श्री. नितीन गडकरी (ऑनलाईन) असतील, तर विशिष्ट अतिथी म्हणून माननीय माजी केंद्रीय शिक्षण मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' उपस्थित राहतील. या प्रसंगी कार्यपरिषदेचे सदस्य प्रा. सुरेंद्र दुबे तसेच ज्येष्ठ पत्रकार श्री. अनंत विजय सारस्वत अतिथी म्हणून उपस्थित असतील. कार्यक्रमाचे अध्यक्षस्थान कुलगुरू प्रा. कुमुद शर्मा भूषवतील.

‘पुस्तक संस्कृती’ला प्रोत्साहन देण्याच्या उद्देशाने विद्यापीठातील बोधिसत्त्व डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर समता भवन परिसरात ७ ते १० जानेवारीदरम्यान राष्ट्रीय पुस्तक मेळ्याचे आयोजन करण्यात येणार आहे. या पुस्तक मेळ्याचे उद्घाटन ७ जानेवारी रोजी सायंकाळी ५.०० वाजता प्रसिद्ध लेखिका डॉ. क्षमा कौल यांच्या हस्ते होईल. या प्रसंगी प्रसिद्ध लेखक डॉ. भूषण भावे पपस्थित राहतील.

स्थापना दिनाच्या निमित्तानेच ८, ९ व १० जानेवारी रोजी उत्तर प्रदेश हिंदी संस्था, लखनऊ आणि विद्यापीठ यांच्या संयुक्त विद्यमाने ‘भारतीय साहित्यातील एकात्मता (हिंदी आणि भारतीय भाषा साहित्य महोत्सव)’ या विषयावर आंतरराष्ट्रीय परिसंवादाचे आयोजन करण्यात येणार आहे. या परिसंवादात हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विद्यापीठाचे कुलाधिपती प्रा. हरमोहींदर सिंग बेदी (ऑनलाईन), केंद्रीय हिंदी संस्थान, आग्रा येथील उपाध्यक्ष प्रा. सुरेंद्र दुबे, ज्येष्ठ पत्रकार श्री. अनंत विजय, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थेच्या प्रधान संपादक डॉ. अमिता दुबे, जेएनयुच्या प्रा. पूनम कुमारी, हिंदी व तंत्रज्ञान तज्ज्ञ प्रा. बालेन्दु शर्मा दाधीच (ऑनलाईन), जेएनयुच्या स्कूल ऑफ कल्चर अँड इंडिक स्टडीजचे प्रा. गिरीश नाथ झा (ऑनलाईन) आदी विद्वान सहभागी होणार आहेत.

ही माहिती कुलगुरू प्रा. कुमुद शर्मा यांनी रविवार, ४ जानेवारी रोजी नागार्जुन अतिथीगृहात आयोजित पत्रकार परिषदेत दिली. या पत्रकार परिषदेला कुलसचिव कादर नवाज खान, मीडिया समितीच्या संयोजक डॉ. रेणु कुमारी, जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे, समितीचे सदस्य सचिव डॉ. अमित विश्वास तसेच सदस्य डॉ. संदीप वर्मा यांच्यासह मुद्रित आणि इलेक्टॉनिक माध्यमांचे प्रतिनिधी मोठया संख्येने उपस्थित होते.

कुलगुरू प्रा. कुमुद शर्मा यांनी सांगितले की, स्थापना दिनाच्या निमित्ताने 9 जानेवारी रोजी मेजर ध्यानचंद क्रीडा मैदानावर सायंकाळी ६.०० वाजल्यापासून डिग्री कॉलेज ऑफ फिजिकल एज्युकेशन, श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडळ, अमरावती येथील कलाकारांकडून मल्लखांबाचे प्रात्यक्षिक सादर केले जाईल. याच काळात विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमांचे आयोजनही करण्यात येणार आहे. १० जानेवारी रोजी मेजर ध्यानचंद क्रीडा मैदानावर सायंकाळी ५.०० वाजता फूड फेस्टिव्हलचे आयोजन करण्यात येईल.

त्यांनी सांगितले की, विकसित भारताच्या ध्येयपूर्तीसाठी युवा शक्तीची मोठी भूमिका आहे आणि त्यांना घडविणे व भावी भारतासाठी तयार करणे ही आपली जबाबदारी आहे. विद्यार्थ्यांच्या सर्वांगीण विकासासाठी विविध कार्यशाळांचे आयोजन करण्यात आले आहे. विद्यापीठात ईशान्य राज्यांसह देशातील १५ राज्यांमधील विद्यार्थी शिक्षण घेत आहेत असेही त्या म्हणाल्या.

हे उल्लेखनीय आहे की, या विद्यापीठाची स्थापना संसदेद्वारे १९९६ मध्ये पारित झालेल्या अधिनियमाअंतर्गत १९९७ मध्ये केंद्रीय विद्यापीठ व भारतातील पहिले आंतरराष्ट्रीय विद्यापीठ म्हणून महात्मा गांधींच्या कर्मभूमी वर्धा येथे करण्यात आली.

हिंदी भाषा व साहित्याच्या उन्नतीसह ज्ञानाच्या विविध शाखांमध्ये अध्ययन, संशोधन व प्रशिक्षणासाठी समर्थ माध्यम म्हणून हिंदीचा सर्वांगीण विकास करणे हे विद्यापीठाचे प्रमुख ध्येय आहे. देश-विदेशातील भाषांबरोबर हिंदीचे तुलनात्मक अध्ययन तसेच आधुनिक ज्ञानसामग्रीचे हिंदीत अनुवाद व विकास करणे हेही विद्यापीठाचे प्राधान्य आहे. बहुभाषिक जगात हिंदीला एक समर्थ आंतरराष्ट्रीय भाषा म्हणून प्रतिष्ठित करणे हे विद्यापीठाचे लक्ष्य आहे.

विद्यापीठात भाषा विद्यापीठ, साहित्य विद्यापीठ, संस्कृती विद्यापीठ, अनुवाद व निर्वचन विद्यापीठ, मानविकी व सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ, शिक्षण विद्यापीठ, व्यवस्थापन विद्यापीठ आणि विधी विद्यापीठ अंतर्गत पदवी, पदव्युत्तर, संशोधन व डिप्लोमा अभ्यासक्रम चालविले जातात. कोलकाता, प्रयागराज आणि रिद्धपूर येथे विद्यापीठाची प्रादेशिक केंद्रे असून तेथेही विविध अभ्यासक्रम राबविले जात आहेत.

विद्यापीठात चीनी, जपानी, फ्रेंच आणि स्पॅनिश भाषांचे अध्यापन केले जाते. हिंदीबरोबरच इंग्रजी व मराठी, संस्कृत यांसारख्या भारतीय भाषांचेही अध्यापन सुरू आहे. राष्ट्रीय शिक्षण धोरणांतर्गत सीयूईटीद्वारे प्रवेश प्रक्रिया राबविण्यात येत आहे. विद्यापीठाने अनेक शैक्षणिक संस्थांबरोबर सामंजस्य करार केले असून भविष्यात आणखी विद्यापीठे व संस्थांशी करार करण्याचा प्रस्ताव आहे.

या विद्यापीठाच्या शैक्षणिक प्रक्रियेत आधुनिक संप्रेषण तंत्रज्ञान, सर्जनशीलता, अनुभवाधारित शिक्षण तसेच सामाजिक जीवनाशी जोडलेपणाला विशेष महत्त्व दिले जाते. येथील नैसर्गिक वातावरण व उपलब्ध शैक्षणिक सुविधा विद्यार्थ्यांच्या अध्ययनासाठी अनुकूल आहेत. भारतातील विविध राज्यांतील विद्यार्थ्यांबरोबरच चीन, जपान, थायलंड, मॉरिशस, श्रीलंका, रशिया, बेल्जियम आदी देशांतील विद्यार्थी येथे शिक्षणासाठी येतात.

मौलिक व मानक ग्रंथांचे प्रकाशन, दुर्मिळ हस्तलिखिते, चित्रे व दस्तऐवजांचे संकलन, विश्वकोश व संदर्भग्रंथांची निर्मिती या विद्यापीठाच्या वैशिष्ट्यपूर्ण योजना आहेत. विद्यापीठ 'बहुवचन' आणि 'पुस्तक-वार्ता' ही दोन महत्त्वाची नियतकालिके प्रकाशित करते. तसेच 'हिंदी समय डॉट कॉम' हे महत्त्वाकांक्षी ऑनलाइन पोर्टल विद्यापीठाकडे असून ते हिंदी जगतात अत्यंत प्रसिद्ध व प्रतिष्ठित आहे. 'हिंदी समय'वर आतापर्यंत सुमारे बारा लाखांहून अधिक पृष्ठांची सामग्री उपलब्ध करून देण्यात आली आहे.

कुलसचिव कादर नवाज खान यांनी विद्यापीठाचे शिक्षक, संशोधक, विद्यार्थी तसेच वर्धेतील हिंदीप्रेमींना मोठ्या संख्येने सहभागी होऊन कार्यक्रम यशस्वी करण्याचे आवाहन केले आहे.

Mahatma Gandhi International Hindi University
29th Foundation Day Celebrations – 2026
Vice-Chancellor Prof. Kumud Sharma shared information in a press conference

Wardha, 4 January 2026: Mahatma Gandhi International Hindi University is celebrating its 29th Foundation Day from 7 to 10 January with a series of programs. The 29th Foundation Day celebrations will formally begin on 8 January with the flag hoisting ceremony. The main Foundation Day program will be held at 11:00 a.m. On this occasion, the Honorable Union Minister for Road Transport and Highways, Shri Nitin Gadkari, will be the Chief Guest (online), while the Honorable former Union Education Minister, Dr. Ramesh Pokhriyal 'Nishank', will be the Guest of Honor. Members of the Executive Council, Prof. Surendra Dubey, and senior journalist Shri Anant Vijay Saraswat will be present as special guests. The program will be presided over by the Vice-Chancellor, Prof. Kumud Sharma.

With the objective of promoting "book culture," a National Book Fair will be organized from 7 to 10 January at the Bodhisattva Dr. Babasaheb Ambedkar Samata Bhavan of the University. The book fair will be inaugurated on 7 January at 5:00 p.m. by renowned writer Dr. Kshama Kaul. Eminent writers including Dr. Bhushan Bhave will be present on the occasion.

On the occasion of the Foundation Day, an International Seminar on the theme "Unity in Indian Literature (Hindi and Indian Languages Literature Festival)" will be organized jointly by the Uttar Pradesh Hindi Sansthan, Lucknow, and the University on 8, 9, and 10 January. Scholars participating in the seminar will include Prof. Harmohinder Singh Bedi, Chancellor of Himachal Pradesh Central University (online); Prof. Surendra Dubey, Vice-Chairman, Central Hindi Sansthan, Agra; senior journalist Shri Anant Vijay; Dr. Amita Dubey, Editor-in-Chief of Uttar Pradesh Hindi Sansthan; Prof. Poonam Kumari from JNU; Hindi and technology expert Prof. Balendu Sharma Dadhich (online); and Prof. Girish Nath Jha from the School of Culture and Indic Studies, JNU (online), among others.

This information was shared by Vice-Chancellor Prof. Kumud Sharma during a press conference held on Sunday, 4 January, at Nagarjun Guest House. Present at the press conference were Registrar Kadar Nawaz Khan, Convener of the Media Committee Dr. Renu Kumari, Public Relations Officer B. S. Mirge, Member Secretary of the Committee Dr. Amit Vishwas, Member Dr. Sandeep Verma and journalist of print and electronic media present on the occasion.

Prof. Kumud Sharma further informed that on the occasion of the Foundation Day, a Mallakhamb performance will be presented on 9th January from 6:00 p.m. onwards at the Major Dhyan Chand Sports Ground by artists from the Degree College of Physical Education, Shri Hanuman Vyayam Prasarak Mandal, Amravati. Various cultural programs will also be organized during this period. On 10 January, a Food Festival will be organized at the Major Dhyan Chand Sports Ground from 5:00 p.m.

She stated that youth power has a major role in achieving the goal of a developed India, and it is our responsibility to nurture and prepare young people for the future of the nation. Several workshops have been organized for the holistic development of students. Students from 15 states of the country, including the North-Eastern states, are currently pursuing their studies at the University.

It is noteworthy that the University was established in 1997 under an Act passed by Parliament in 1996 as a Central University and as India's first international university, at Wardha—the land of action of Mahatma Gandhi.

Along with the promotion of the Hindi language and literature, the primary objective of the University is the comprehensive development of Hindi as a strong medium for study, research, and

training across various disciplines of knowledge. Comparative study of Hindi with world languages and Indian languages, as well as translation and development of contemporary knowledge resources into Hindi, are among the University's priorities. Establishing Hindi as a capable international language in today's multilingual world is a key goal of the University.

The University offers undergraduate, postgraduate, research, and diploma programs under various faculties, including the Faculty of Language, Faculty of Literature, Faculty of Culture, Faculty of Translation and Interpretation, Faculty of Humanities and Social Sciences, Faculty of Education, Faculty of Management, and Faculty of Law. The University also operates regional centers in Kolkata, Prayagraj, and Riddhpur, where several academic programs are conducted.

Chinese, Japanese, French, and Spanish languages are taught at the University. Along with Hindi, English and Indian languages such as Marathi and Sanskrit are also part of the curriculum. Admissions are conducted through CUET under the National Education Policy. The University has signed Memoranda of Understanding with several academic institutions and plans to enter into more such agreements with universities and other institutions in the future.

In its academic processes, the University emphasizes the use of modern communication technologies, creativity, experiential learning, and engagement with social life. The natural environment of the campus and the available academic facilities provide a conducive atmosphere for learning. Students from various states of India, as well as from countries such as China, Japan, Thailand, Mauritius, Sri Lanka, Russia, and Belgium, come to the University for their studies.

The publication of original and standard scholarly works, the collection of rare manuscripts, images, and documents, and the creation of encyclopedias and reference works are among the University's unique initiatives. The University publishes two important journals, *Bahuvachan* and *Pustak-Varta*. It also runs an ambitious online portal, **hindisamay.com**, which is well known and highly respected in the Hindi literary world. To date, more than 1.2 million pages of content have been made available on *Hindi Samay*.

Registrar Kadar Nawaz Khan has appealed to the University's teachers, research scholars, students, and Hindi enthusiasts of Wardha to participate in large numbers and make the programs a success.